Sealing of Border

1361. SHRI KRISHAN LAL SHARMA : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government's attention has been drawn to a news item published in the Tribune dated the 12th January, 1994 under the caption 'militants mock at sealed borders'; and

(b) if so, what is the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI MALLIKARJUN) : (a) and (b) The Government has seen the report which appeared in the Tribune dated the 12th January, 1994 under the caption 'militants mock at sealed borders'. As the Line of Control (LOC) in J & K runs along extremely rugged and mountainous terrain, in spite of continuous vigil along the Line of Control, it will not be possible to hermetically, seal the border. Certain militants, therefore manage to infiltrate, especially because they get assistance both by provision of guides to the take off points as also by firing by Pak troops on Indian positions to divert their attention.

The troops deployed along the LOC are taking appropriate measures to interdict all infiltration attempts.

प्रक्षेपास्त्रों का प्रक्षेपण

1362. **श्री सुशील कुमार सम्भाजीराव शिन्दे** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने कुछ प्रक्षेपास्त्रों का प्रक्षेपण किया है, और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्योरा क्या है ?

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन : (क) जी, हां।

(ख) विभिन्न प्रक्षेपास्त्रों के संबंध में किए गए उड़ान परीक्षणों का ब्यौरा इस प्रकार है :—

पृथ्वी—सतह से सतह पर 40 से 150 कि० मी० की दूरी तक मार करने वाला सामरिक रणभूमि प्रक्षेपास्त्र । इसके विकास के लिए बारह उड़ान परीक्षण किए गए हैं—पहला परीक्षण 25 फरवरी, 1988 को तथा आखिरी 30 नवंबर 1993 को किया गया ।

त्रिशूल—तेजी से काम करने वाला सतह से हवा में 9 कि०मी०की दूरी तक मार करने वाला प्रक्षेपास्त्र । इसके विकास के लिए अब तक 26 उड़ान परीक्षण किए गए हैं—पहला परीक्षण 16 सितम्बर, 1985 को तथा आखिरी 9 जून, 1993 को किया गया ।

आकाश—सतह से हवा में 25 कि०मी० की दूरी तक मार करने वाला मध्यम रेंज का प्रक्षेपास्त्र जो कई लक्ष्यों तक पहुंचने की क्षमता रखता है । इसके विकास के लिए अब तक 5 उड़ान परीक्षण किए गए हैं—पहला परीक्षण 14 अगस्त, 1990 को तथा आखिरी 3 फरवरी, 1994 को किया गया ।

नाग—यह एक उच्चस्तरीय तीसरी पीढ़ी का टैंकरोधी प्रक्षेपास्त्र है जो 4 कि०मी० तक मार कर सकता है । इसकी विशेषता है—फायर करो और भूल जाओ, साथ ही इसमें सीधे ऊपर से मार करने की क्षमता है । इसके विकास के लिए अब तक 18 उड़ान परीक्षण किए गए हैं—पहला परीक्षण 7 फरवरी, 1990 को तथा आखिरी 29 जनवरी, 1994 को किया गया ।

Agreement with Malaysia for servicing of MIG aircraft

1363. SHRI S. MADHAVAN : Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government have entered into any agreement with Malaysia to provide servicing facilities for the MIG aircraft and to trained Malaysian Air-force pilots; and

(b) if so, what are the details there of ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI MALLIKARJUN) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.